

तामिति ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥
 संजयउवाच तांनिशादुःखशोकात्तौनिःश्वसंताविवोरगौ ॥ निद्रानैवोपलेभातेवासुदेवधनंजयौ ॥ १ ॥ नरनारायणौक्रुद्धौज्ञात्वादेवाःसवासवाः ॥ व्य
 थिताश्चिंतयामासुःकिंस्विदेतद्भविष्यति ॥ २ ॥ ववुश्चदारुणावातारूक्षाघोराभिर्शंसिनः ॥ सकबंधस्तथादित्येपरिघःसमदृश्यत ॥ ३ ॥ शुष्काशन्यश्चनिष्पेतुः
 सनिर्घाताःसविद्युतः ॥ चचालचापिपृथिवीसशैलवनकानना ॥ ४ ॥ चुक्षुभुश्चमहाराजसागरामकरालयाः ॥ प्रतिस्त्रोतःप्रवृत्ताश्चतथागतुंसमुद्रगाः ॥ ५ ॥
 रथाश्चनरनागानांप्रवृत्तमधरोत्तरं ॥ कव्यादानांप्रमोदार्थयमराष्ट्रविद्वद्वये ॥ ६ ॥ वाहनानिशक्रन्मूत्रेमुचूचूरुदुश्चह ॥ तान्दृष्ट्वादारुणान्सर्वानुत्पातान्द्रो
 महर्षणान् ॥ ७ ॥ सर्वेतेव्यथिताःसैन्यास्त्वदीयाभरतर्षभ ॥ श्रुत्वामहाबलस्योग्रांप्रतिज्ञांसव्यसाचिनः ॥ ८ ॥ अथकृष्णंमहाबाहुरब्रवीत्पाकशासनिः ॥ आश्वा
 सयसुभद्रांलंबागिनींस्तुषयासह ॥ ९ ॥ स्त्रुपांचास्यावयस्याश्चविशोकाःकुरुमाधव ॥ साक्षासत्येनयुक्तेनवचसाश्वासयप्रभो ॥ १० ॥ ततोर्जुनगृहंगत्वावासु
 देवःसुदुर्मनाः ॥ भगिनींपुत्रशोकात्तामाश्वासयतदुःखितां ॥ ११ ॥ वासुदेवउवाच माशोकंकुरुवाष्णोयिकुमारंप्रतिसस्त्रुषा ॥ सर्वेषांप्राणिनांभौरु
 निष्ठेषाकालनिर्मिता ॥ १२ ॥ कुलेजातस्यधीरस्यक्षत्रियस्यविशेषतः ॥ सदृशंमरणंध्येततत्तवपुत्रस्यमाशुचः ॥ १३ ॥ दिष्ट्यामहारथोधीरःपितुस्तुल्यपराक्रमः ॥
 क्षात्रेणविधिनाप्राप्तोवीराभिलषितांगतिं ॥ १४ ॥ जित्वासुबहुशःशत्रून्प्रेषयित्वाचमृत्यवे ॥ गतःपुण्यकृतांलोकान्सर्वकामदुहोऽक्षयान् ॥ १५ ॥ तपसाब्रह्म
 चर्येणश्रुतेनप्रज्ञयापिच ॥ संतोयांगतिमिच्छंतितांप्राप्तस्तवपुत्रकः ॥ १६ ॥ वीरसूर्वीरपत्नीत्वंवीरजावीरबांधवा ॥ माशुचस्तनयंभद्रगतःसपरमांगतिं ॥
 ॥ १७ ॥ प्राप्स्यतेचाप्यसौपापःसंधवोबालघातकः ॥ अस्यावलेपस्यफलंसमुद्रघ्नणबांधवः ॥ १८ ॥ व्युष्टायांतुवरारोहेरजन्यांपापकर्मकृत् ॥ नहिमोक्ष्यतिपा
 र्थात्सप्रविष्टोप्यमरावती ॥ १९ ॥ श्वःशिरःश्रोष्ठ्यसेतस्यसैंधवस्यरणेहृतं ॥ समंतपंचकाद्वाद्यंविशोकाभवमारुढः ॥ २० ॥ क्षत्रधर्मपुरस्कृत्यगतःशूरःसतां
 गतिं ॥ यांगतिंप्राप्नुयामेहयेचान्येशस्त्रजीविनः ॥ २१ ॥ व्यूढोरस्कोमहाबाहुरनिवर्त्तीरथप्रणुत् ॥ गतस्तववारोहेपुत्रःस्वर्गंज्वरंजहि ॥ २२ ॥ अनुयातश्चपित
 रंमातृपक्षंचवीर्यवान् ॥ सहस्रशोरिपूहृत्वाहतःशूरोमहारथः ॥ २३ ॥ आश्वासयस्त्रुषांराज्ञिमाशुचःक्षत्रियेभृशं ॥ श्वःप्रियंसुमहच्छ्रुत्वाविशोकाभवनंदिनि
 ॥ २४ ॥ यत्पार्थेनप्रतिज्ञातंतत्तथानतदन्यथा ॥ चिकीर्षितंहितेभर्तुर्नभवेज्जातुनिष्फलं ॥ २५ ॥

अत्रानिर्दिष्टम् ॥ २ ॥ "रणागतमभियातिस्त्रिधुराजनसमंवितासहैरविप्रभाति ॥ २६ ॥ इति श्रीमहाभारते द्रो
 णपर्वणि द्वाविंशोऽध्यायः ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥ ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥ ॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥ ॥ १२१ ॥ ॥ १२२ ॥ ॥ १२३ ॥ ॥ १२४ ॥ ॥ १२५ ॥ ॥ १२६ ॥ ॥ १२७ ॥ ॥ १२८ ॥ ॥ १२९ ॥ ॥ १३० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ १३२ ॥ ॥ १३३ ॥ ॥ १३४ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ १३६ ॥ ॥ १३७ ॥ ॥ १३८ ॥ ॥ १३९ ॥ ॥ १४० ॥ ॥ १४१ ॥ ॥ १४२ ॥ ॥ १४३ ॥ ॥ १४४ ॥ ॥ १४५ ॥ ॥ १४६ ॥ ॥ १४७ ॥ ॥ १४८ ॥ ॥ १४९ ॥ ॥ १५० ॥ ॥ १५१ ॥ ॥ १५२ ॥ ॥ १५३ ॥ ॥ १५४ ॥ ॥ १५५ ॥ ॥ १५६ ॥ ॥ १५७ ॥ ॥ १५८ ॥ ॥ १५९ ॥ ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥ ॥ १६२ ॥ ॥ १६३ ॥ ॥ १६४ ॥ ॥ १६५ ॥ ॥ १६६ ॥ ॥ १६७ ॥ ॥ १६८ ॥ ॥ १६९ ॥ ॥ १७० ॥ ॥ १७१ ॥ ॥ १७२ ॥ ॥ १७३ ॥ ॥ १७४ ॥ ॥ १७५ ॥ ॥ १७६ ॥ ॥ १७७ ॥ ॥ १७८ ॥ ॥ १७९ ॥ ॥ १८० ॥ ॥ १८१ ॥ ॥ १८२ ॥ ॥ १८३ ॥ ॥ १८४ ॥ ॥ १८५ ॥ ॥ १८६ ॥ ॥ १८७ ॥ ॥ १८८ ॥ ॥ १८९ ॥ ॥ १९० ॥ ॥ १९१ ॥ ॥ १९२ ॥ ॥ १९३ ॥ ॥ १९४ ॥ ॥ १९५ ॥ ॥ १९६ ॥ ॥ १९७ ॥ ॥ १९८ ॥ ॥ १९९ ॥ ॥ २०० ॥ ॥ २०१ ॥ ॥ २०२ ॥ ॥ २०३ ॥ ॥ २०४ ॥ ॥ २०५ ॥ ॥ २०६ ॥ ॥ २०७ ॥ ॥ २०८ ॥ ॥ २०९ ॥ ॥ २१० ॥ ॥ २११ ॥ ॥ २१२ ॥ ॥ २१३ ॥ ॥ २१४ ॥ ॥ २१५ ॥ ॥ २१६ ॥ ॥ २१७ ॥ ॥ २१८ ॥ ॥ २१९ ॥ ॥ २२० ॥ ॥ २२१ ॥ ॥ २२२ ॥ ॥ २२३ ॥ ॥ २२४ ॥ ॥ २२५ ॥ ॥ २२६ ॥ ॥ २२७ ॥ ॥ २२८ ॥ ॥ २२९ ॥ ॥ २३० ॥ ॥ २३१ ॥ ॥ २३२ ॥ ॥ २३३ ॥ ॥ २३४ ॥ ॥ २३५ ॥ ॥ २३६ ॥ ॥ २३७ ॥ ॥ २३८ ॥ ॥ २३९ ॥ ॥ २४० ॥ ॥ २४१ ॥ ॥ २४२ ॥ ॥ २४३ ॥ ॥ २४४ ॥ ॥ २४५ ॥ ॥ २४६ ॥ ॥ २४७ ॥ ॥ २४८ ॥ ॥ २४९ ॥ ॥ २५० ॥ ॥ २५१ ॥ ॥ २५२ ॥ ॥ २५३ ॥ ॥ २५४ ॥ ॥ २५५ ॥ ॥ २५६ ॥ ॥ २५७ ॥ ॥ २५८ ॥ ॥ २५९ ॥ ॥ २६० ॥ ॥ २६१ ॥ ॥ २६२ ॥ ॥ २६३ ॥ ॥ २६४ ॥ ॥ २६५ ॥ ॥ २६६ ॥ ॥ २६७ ॥ ॥ २६८ ॥ ॥ २६९ ॥ ॥ २७० ॥ ॥ २७१ ॥ ॥ २७२ ॥ ॥ २७३ ॥ ॥ २७४ ॥ ॥ २७५ ॥ ॥ २७६ ॥ ॥ २७७ ॥ ॥ २७८ ॥ ॥ २७९ ॥ ॥ २८० ॥ ॥ २८१ ॥ ॥ २८२ ॥ ॥ २८३ ॥ ॥ २८४ ॥ ॥ २८५ ॥ ॥ २८६ ॥ ॥ २८७ ॥ ॥ २८८ ॥ ॥ २८९ ॥ ॥ २९० ॥ ॥ २९१ ॥ ॥ २९२ ॥ ॥ २९३ ॥ ॥ २९४ ॥ ॥ २९५ ॥ ॥ २९६ ॥ ॥ २९७ ॥ ॥ २९८ ॥ ॥ २९९ ॥ ॥ ३०० ॥ ॥ ३०१ ॥ ॥ ३०२ ॥ ॥ ३०३ ॥ ॥ ३०४ ॥ ॥ ३०५ ॥ ॥ ३०६ ॥ ॥ ३०७ ॥ ॥ ३०८ ॥ ॥ ३०९ ॥ ॥ ३१० ॥ ॥ ३११ ॥ ॥ ३१२ ॥ ॥ ३१३ ॥ ॥ ३१४ ॥ ॥ ३१५ ॥ ॥ ३१६ ॥ ॥ ३१७ ॥ ॥ ३१८ ॥ ॥ ३१९ ॥ ॥ ३२० ॥ ॥ ३२१ ॥ ॥ ३२२ ॥ ॥ ३२३ ॥ ॥ ३२४ ॥ ॥ ३२५ ॥ ॥ ३२६ ॥ ॥ ३२७ ॥ ॥ ३२८ ॥ ॥ ३२९ ॥ ॥ ३३० ॥ ॥ ३३१ ॥ ॥ ३३२ ॥ ॥ ३३३ ॥ ॥ ३३४ ॥ ॥ ३३५ ॥ ॥ ३३६ ॥ ॥ ३३७ ॥ ॥ ३३८ ॥ ॥ ३३९ ॥ ॥ ३४० ॥ ॥ ३४१ ॥ ॥ ३४२ ॥ ॥ ३४३ ॥ ॥ ३४४ ॥ ॥ ३४५ ॥ ॥ ३४६ ॥ ॥ ३४७ ॥ ॥ ३४८ ॥ ॥ ३४९ ॥ ॥ ३५० ॥ ॥ ३५१ ॥ ॥ ३५२ ॥ ॥ ३५३ ॥ ॥ ३५४ ॥ ॥ ३५५ ॥ ॥ ३५६ ॥ ॥ ३५७ ॥ ॥ ३५८ ॥ ॥ ३५९ ॥ ॥ ३६० ॥ ॥ ३६१ ॥ ॥ ३६२ ॥ ॥ ३६३ ॥ ॥ ३६४ ॥ ॥ ३६५ ॥ ॥ ३६६ ॥ ॥ ३६७ ॥ ॥ ३६८ ॥ ॥ ३६९ ॥ ॥ ३७० ॥ ॥ ३७१ ॥ ॥ ३७२ ॥ ॥ ३७३ ॥ ॥ ३७४ ॥ ॥ ३७५ ॥ ॥ ३७६ ॥ ॥ ३७७ ॥ ॥ ३७८ ॥ ॥ ३७९ ॥ ॥ ३८० ॥ ॥ ३८१ ॥ ॥ ३८२ ॥ ॥ ३८३ ॥ ॥ ३८४ ॥ ॥ ३८५ ॥ ॥ ३८६ ॥ ॥ ३८७ ॥ ॥ ३८८ ॥ ॥ ३८९ ॥ ॥ ३९० ॥ ॥ ३९१ ॥ ॥ ३९२ ॥ ॥ ३९३ ॥ ॥ ३९४ ॥ ॥ ३९५ ॥ ॥ ३९६ ॥ ॥ ३९७ ॥ ॥ ३९८ ॥ ॥ ३९९ ॥ ॥ ४०० ॥ ॥ ४०१ ॥ ॥ ४०२ ॥ ॥ ४०३ ॥ ॥ ४०४ ॥ ॥ ४०५ ॥ ॥ ४०६ ॥ ॥ ४०७ ॥ ॥ ४०८ ॥ ॥ ४०९ ॥ ॥ ४१० ॥ ॥ ४११ ॥ ॥ ४१२ ॥ ॥ ४१३ ॥ ॥ ४१४ ॥ ॥ ४१५ ॥ ॥ ४१६ ॥ ॥ ४१७ ॥ ॥ ४१८ ॥ ॥ ४१९ ॥ ॥ ४२० ॥ ॥ ४२१ ॥ ॥ ४२२ ॥ ॥ ४२३ ॥ ॥ ४२४ ॥ ॥ ४२५ ॥ ॥ ४२६ ॥ ॥ ४२७ ॥ ॥ ४२८ ॥ ॥ ४२९ ॥ ॥ ४३० ॥ ॥ ४३१ ॥ ॥ ४३२ ॥ ॥ ४३३ ॥ ॥ ४३४ ॥ ॥ ४३५ ॥ ॥ ४३६ ॥ ॥ ४३७ ॥ ॥ ४३८ ॥ ॥ ४३९ ॥ ॥ ४४० ॥ ॥ ४४१ ॥ ॥ ४४२ ॥ ॥ ४४३ ॥ ॥ ४४४ ॥ ॥ ४४५ ॥ ॥ ४४६ ॥ ॥ ४४७ ॥ ॥ ४४८ ॥ ॥ ४४९ ॥ ॥ ४५० ॥ ॥ ४५१ ॥ ॥ ४५२ ॥ ॥ ४५३ ॥ ॥ ४५४ ॥ ॥ ४५५ ॥ ॥ ४५६ ॥ ॥ ४५७ ॥ ॥ ४५८ ॥ ॥ ४५९ ॥ ॥ ४६० ॥ ॥ ४६१ ॥ ॥ ४६२ ॥ ॥ ४६३ ॥ ॥ ४६४ ॥ ॥ ४६५ ॥ ॥ ४६६ ॥ ॥ ४६७ ॥ ॥ ४६८ ॥ ॥ ४६९ ॥ ॥ ४७० ॥ ॥ ४७१ ॥ ॥ ४७२ ॥ ॥ ४७३ ॥ ॥ ४७४ ॥ ॥ ४७५ ॥ ॥ ४७६ ॥ ॥ ४७७ ॥ ॥ ४७८ ॥ ॥ ४७९ ॥ ॥ ४८० ॥ ॥ ४८१ ॥ ॥ ४८२ ॥ ॥ ४८३ ॥ ॥ ४८४ ॥ ॥ ४८५ ॥ ॥ ४८६ ॥ ॥ ४८७ ॥ ॥ ४८८ ॥ ॥ ४८९ ॥ ॥ ४९० ॥ ॥ ४९१ ॥ ॥ ४९२ ॥ ॥ ४९३ ॥ ॥ ४९४ ॥ ॥ ४९५ ॥ ॥ ४९६ ॥ ॥ ४९७ ॥ ॥ ४९८ ॥ ॥ ४९९ ॥ ॥ ५०० ॥ ॥ ५०१ ॥ ॥ ५०२ ॥ ॥ ५०३ ॥ ॥ ५०४ ॥ ॥ ५०५ ॥ ॥ ५०६ ॥ ॥ ५०७ ॥ ॥ ५०८ ॥ ॥ ५०९ ॥ ॥ ५१० ॥ ॥ ५११ ॥ ॥ ५१२ ॥ ॥ ५१३ ॥ ॥ ५१४ ॥ ॥ ५१५ ॥ ॥ ५१६ ॥ ॥ ५१७ ॥ ॥ ५१८ ॥ ॥ ५१९ ॥ ॥ ५२० ॥ ॥ ५२१ ॥ ॥ ५२२ ॥ ॥ ५२३ ॥ ॥ ५२४ ॥ ॥ ५२५ ॥ ॥ ५२६ ॥ ॥ ५२७ ॥ ॥ ५२८ ॥ ॥ ५२९ ॥ ॥ ५३० ॥ ॥ ५३१ ॥ ॥ ५३२ ॥ ॥ ५३३ ॥ ॥ ५३४ ॥ ॥ ५३५ ॥ ॥ ५३६ ॥ ॥ ५३७ ॥ ॥ ५३८ ॥ ॥ ५३९ ॥ ॥ ५४० ॥ ॥ ५४१ ॥ ॥ ५४२ ॥ ॥ ५४३ ॥ ॥ ५४४ ॥ ॥ ५४५ ॥ ॥ ५४६ ॥ ॥ ५४७ ॥ ॥ ५४८ ॥ ॥ ५४९ ॥ ॥ ५५० ॥ ॥ ५५१ ॥ ॥ ५५२ ॥ ॥ ५५३ ॥ ॥ ५५४ ॥ ॥ ५५५ ॥ ॥ ५५६ ॥ ॥ ५५७ ॥ ॥ ५५८ ॥ ॥ ५५९ ॥ ॥ ५६० ॥ ॥ ५६१ ॥ ॥ ५६२ ॥ ॥ ५६३ ॥ ॥ ५६४ ॥ ॥ ५६५ ॥ ॥ ५६६ ॥ ॥ ५६७ ॥ ॥ ५६८ ॥ ॥ ५६९ ॥ ॥ ५७० ॥ ॥ ५७१ ॥ ॥ ५७२ ॥ ॥ ५७३ ॥ ॥ ५७४ ॥ ॥ ५७५ ॥ ॥ ५७६ ॥ ॥ ५७७ ॥ ॥ ५७८ ॥ ॥ ५७९ ॥ ॥ ५८० ॥ ॥ ५८१ ॥ ॥ ५८२ ॥ ॥ ५८३ ॥ ॥ ५८४ ॥ ॥ ५८५ ॥ ॥ ५८६ ॥ ॥ ५८७ ॥ ॥ ५८८ ॥ ॥ ५८९ ॥ ॥ ५९० ॥ ॥ ५९१ ॥ ॥ ५९२ ॥ ॥ ५९३ ॥ ॥ ५९४ ॥ ॥ ५९५ ॥ ॥ ५९६ ॥ ॥ ५९७ ॥ ॥ ५९८ ॥ ॥ ५९९ ॥ ॥ ६०० ॥ ॥ ६०१ ॥ ॥ ६०२ ॥ ॥ ६०३ ॥ ॥ ६०४ ॥ ॥ ६०५ ॥ ॥ ६०६ ॥ ॥ ६०७ ॥ ॥ ६०८ ॥ ॥ ६०९ ॥ ॥ ६१० ॥ ॥ ६११ ॥ ॥ ६१२ ॥ ॥ ६१३ ॥ ॥ ६१४ ॥ ॥ ६१५ ॥ ॥ ६१६ ॥ ॥ ६१७ ॥ ॥ ६१८ ॥ ॥ ६१९ ॥ ॥ ६२० ॥ ॥ ६२१ ॥ ॥ ६२२ ॥ ॥ ६२३ ॥ ॥ ६२४ ॥ ॥ ६२५ ॥ ॥ ६२६ ॥ ॥ ६२७ ॥ ॥ ६२८ ॥ ॥ ६२९ ॥ ॥ ६३० ॥ ॥ ६३१ ॥ ॥ ६३२ ॥ ॥ ६३३ ॥ ॥ ६३४ ॥ ॥ ६३५ ॥ ॥ ६३६ ॥ ॥ ६३७ ॥ ॥ ६३८ ॥ ॥ ६३९ ॥ ॥ ६४० ॥ ॥ ६४१ ॥ ॥ ६४२ ॥ ॥ ६४३ ॥ ॥ ६४४ ॥ ॥ ६४५ ॥ ॥ ६४६ ॥ ॥ ६४७ ॥ ॥ ६४८ ॥ ॥ ६४९ ॥ ॥ ६५० ॥ ॥ ६५१ ॥ ॥ ६५२ ॥ ॥ ६५३ ॥ ॥ ६५४ ॥ ॥ ६५५ ॥ ॥ ६५६ ॥ ॥ ६५७ ॥ ॥ ६५८ ॥ ॥ ६५९ ॥ ॥ ६६० ॥ ॥ ६६१ ॥ ॥ ६६२ ॥ ॥ ६६३ ॥ ॥ ६६४ ॥ ॥ ६६५ ॥ ॥ ६६६ ॥ ॥ ६६७ ॥ ॥ ६६८ ॥ ॥ ६६९ ॥ ॥ ६७० ॥ ॥ ६७१ ॥ ॥ ६७२ ॥ ॥ ६७३ ॥ ॥ ६७४ ॥ ॥ ६७५ ॥ ॥ ६७६ ॥ ॥ ६७७ ॥ ॥ ६७८ ॥ ॥ ६७९ ॥ ॥ ६८० ॥ ॥ ६८१ ॥ ॥ ६८२ ॥ ॥ ६८३ ॥ ॥ ६८४ ॥ ॥ ६८५ ॥ ॥ ६८६ ॥ ॥ ६८७ ॥ ॥ ६८८ ॥ ॥ ६८९ ॥ ॥ ६९० ॥ ॥ ६९१ ॥ ॥ ६९२ ॥ ॥ ६९३ ॥ ॥ ६९४ ॥ ॥ ६९५ ॥ ॥ ६९६ ॥ ॥ ६९७ ॥ ॥ ६९८ ॥ ॥ ६९९ ॥ ॥ ७०० ॥ ॥ ७०१ ॥ ॥ ७०२ ॥ ॥ ७०३ ॥ ॥ ७०४ ॥ ॥ ७०५ ॥ ॥ ७०६ ॥ ॥ ७०७ ॥ ॥ ७०८ ॥ ॥ ७०९ ॥ ॥ ७१० ॥ ॥ ७११ ॥ ॥ ७१२ ॥ ॥ ७१३ ॥ ॥ ७१४ ॥ ॥ ७१५ ॥ ॥ ७१६ ॥ ॥ ७१७ ॥ ॥ ७१८ ॥ ॥ ७१९ ॥ ॥ ७२० ॥ ॥ ७२१ ॥ ॥ ७२२ ॥ ॥ ७२३ ॥ ॥ ७२४ ॥ ॥ ७२५ ॥ ॥ ७२६ ॥ ॥ ७२७ ॥ ॥ ७२८ ॥ ॥ ७२९ ॥ ॥ ७३० ॥ ॥ ७३१ ॥ ॥ ७३२ ॥ ॥ ७३३ ॥ ॥ ७३४ ॥ ॥ ७३५ ॥ ॥ ७३६ ॥ ॥ ७३७ ॥ ॥ ७३८ ॥ ॥ ७३९ ॥ ॥ ७४० ॥ ॥ ७४१ ॥ ॥ ७४२ ॥ ॥ ७४३ ॥ ॥ ७४४ ॥ ॥ ७४५ ॥ ॥ ७४६ ॥ ॥ ७४७ ॥ ॥ ७४८ ॥ ॥ ७४९ ॥ ॥ ७५० ॥ ॥ ७५१ ॥ ॥ ७५२ ॥ ॥ ७५३ ॥ ॥ ७५४ ॥ ॥ ७५५ ॥ ॥ ७५६ ॥ ॥ ७५७ ॥ ॥ ७५८ ॥ ॥ ७५९ ॥ ॥ ७६० ॥ ॥ ७६१ ॥ ॥ ७६२ ॥ ॥ ७६३ ॥ ॥ ७६४ ॥ ॥ ७६५ ॥ ॥ ७६६ ॥ ॥ ७६७ ॥ ॥ ७६८ ॥ ॥ ७६९ ॥ ॥ ७७० ॥ ॥ ७७१ ॥ ॥ ७७२ ॥ ॥ ७७३ ॥ ॥ ७७४ ॥ ॥ ७७५ ॥ ॥ ७७६ ॥ ॥ ७७७ ॥ ॥ ७७८ ॥ ॥ ७७९ ॥ ॥ ७८० ॥ ॥ ७८१ ॥ ॥ ७८२ ॥ ॥ ७८३ ॥ ॥ ७८४ ॥ ॥ ७८५ ॥ ॥ ७८६ ॥ ॥ ७८७ ॥ ॥ ७८८ ॥ ॥ ७८९ ॥ ॥ ७९० ॥ ॥ ७९१ ॥ ॥ ७९२ ॥ ॥ ७९३ ॥ ॥ ७९४ ॥ ॥ ७९५ ॥ ॥ ७९६ ॥ ॥ ७९७ ॥ ॥ ७९८ ॥ ॥ ७९९ ॥ ॥ ८०० ॥ ॥ ८०१ ॥ ॥ ८०२ ॥ ॥ ८०३ ॥ ॥ ८०४ ॥ ॥ ८०५ ॥ ॥ ८०६ ॥ ॥ ८०७ ॥ ॥ ८०८ ॥ ॥ ८०९ ॥ ॥ ८१० ॥ ॥ ८११ ॥ ॥ ८१२ ॥ ॥ ८१३ ॥ ॥ ८१४ ॥ ॥ ८१५ ॥ ॥ ८१६ ॥ ॥ ८१७ ॥ ॥ ८१८ ॥ ॥ ८१९ ॥ ॥ ८२० ॥ ॥ ८२१ ॥ ॥ ८२२ ॥ ॥ ८२३ ॥ ॥ ८२४ ॥ ॥ ८२५ ॥ ॥ ८२६ ॥ ॥ ८२७ ॥ ॥ ८२८ ॥ ॥ ८२९ ॥ ॥ ८